Identification of Foreign Nationals in Assam

910. SHRI JAGMOHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that out of the suspected eight million foreign nationals in Assam, only about 18,000 have been detected/identified so far and only about a few hundreds expelled;

(b) what are the reasons for the extremely slow progress of the implementation of IMDA, 1983;

(c) whether the ISI is exploiting the current unsatisfactory conditions to make deeper inroads into Assam and other States; and

(d) what measures are being taken to speed up the work of detection/identification/expulsion and eliminate/reduce threats to the internal security of the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SYED SIBTEY RAZI): (a) and (b) According to available information, as of June, 1995, enquiries were initiated against 2,89,767 persons under illegal Migrants (Determination by Tribunals) Act, 1983. Of these, while enquiries were completed in respect of 2,88,628 cases, 2,86,221 cases were referred to the screening committees and 25,915 to the Tribunals. The Tribunals disposed of 13,450 cases declaring 9,170 as illegal migrants. The slow progress in the implementation of the IMDT Act is on account of a mixture of factors which include the processes involved, ethnic, cultural and linguistic affinities in border areas making it difficult to detect foreigners, suspects changing their place of residence, difficulty in getting witnesses and evidence, etc.

(c) There are reports of ISI of Pakistan attempting to foment trouble of different kinds in the North East including giving aid and assistance to illegal and anti-national elements of the North East.

(b) Steps taken to prevent infiltration include erection of barbed wire fence along the border, construction of border roads, increase in patrolling, strengthening of border policing and stepped-up surveillance in vulnerable pockets.

Oman-India gas Pipeline

911. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether an Indian expert team visited Houston to study the technical feasibility of the proposed 1400 km long Oman-India gas pipeline along the direct sea route;

(b) if so, whether feasibility test for phase-I has been completed to carry the gas through 24 inch sub-sea parallel pipelines and what is its present position both by way of feasibility financial aspects and implementation;

(c) by when the work on phase-I is likely to start;

(d) whether the team has been ensured by the Oman side about the regular supply of quantity of gas required by India for both the phases and they are satisfied with it; and

(e) if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) An Expert Committee has been constituted to monitor the progress of the feasibility study for the Oman-India gas pipeline project. The Committee visited Houston recently in this regard.

(b) to (e) The Oman Oil Company has taken up the feasibility study for the above project. The feasibility study will include the establishment of adequate gas reserves in Oman and the resolution of technological challenges connected with the submarine pipeline. Further work on the project will be taken up only after the

successful completion of the feasibility study.

सौराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने वाले राज्य के राजमार्गों की संख्या और उनकी लम्बाई

912. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सौराष्ट्र से होकर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने वाले राज्य के राजमार्गों की संख्या और उनकी लम्बाई कितनी-कितनी है;

(ख) देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई की तुलना में उपर्युक्त राज्य के राजमार्गों की प्रतिशत लम्बाई कितनी है; और

(ग) सौराष्ट्र क्षेत्र में विभिन्न राज्य के राजमार्गों पर किये जा रहे विभिन्न कार्यों का ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) 36 राज्यीय राजमार्ग जिनकी कुल लम्बाई 3428 कि०मी० है, सौराष्ट्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ते हैं।

(ख) 10 प्रतिशत।

(ग) सांविधानिक रूप से भारत सरकार केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सड़कों के निर्माण/विकास एवं रख-रखाव के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय राजमार्गों से भिन्न सड़कों अर्थात् राज्यीय राजमार्गों आदि के निर्माण/विकास और रख-रखाव संबंधित राज्य सरकार के कार्य-क्षेत्र में आता है और उसने सूचित किया है कि सौराष्ट्र क्षेत्र में 2476.29 लाख रु० की लागत की लगभग 671.10 कि०मी० लम्बे राज्यीय राजमार्गों के सुधार की स्कीमें चल रही हैं।

गुजरात में तेल के खोज-कार्य में लगी एजेन्सियां

913. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान गुजरात में तेल और प्राकृतिक गैस के नए स्रोतों के खोज कार्य में लगी एजेंसियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) यह खोज कार्य किन-किन स्थानों पर चल रहा है;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस कार्य पर कितनी धनराशि खर्च की गई है;

(घ) अब तक किये गये खोज कार्यों के क्या परिणाम निकले हैं; और

(ङ) प्रस्तावित परियोजना को लागू किय जाने से इस राज्य की प्राकृतिक गैस की मांग को किस हद तक पूरा किया जा सकेगा?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) गत तीन वर्षों (1992-93 से 1994-95) के दौरान आयल एंड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड गुजरात राज्य में हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण में लगा हुआ था।

(ख) फिलहाल गुजरात राज्य के कंबेल-बेचराजी-विठलपुर, नवगांव-बरेजा, असजोल-जोटाना-सोभासान, बालिसान, अक्षरधाम, गांधीनगर, गंधार-परवाजन, उत्तरी कादी, मनसा, मींच-नंदासन-लंघनाज, मेवाड़, पलियाड़, लिम्बोदरा, अहमदाबाद-अलोटर्स-नंदेज, कलोज, विरज, गमीज, सानंद, नादा तथा पदरा क्षेत्रों में अन्वेषण कार्य (भूकंपी सर्वेक्षण तथा अन्वेषण वेधन) चल रहा है।

इसके अतिरिक्त आर जे-ओ एन-90/1 नामक एक ब्लाक, जो अंशतः गुजरात राज्य में पड़ता है, के लिए संविदा पर मई, 1995 में हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ग) गत तीन वर्षों (1992-93 से 1994-95) के दौरान गुजरात राज्य में अन्वेषण पर ओ एन जी सी द्वारा निम्नलिखित व्यय का वहन किया गया है:

(करोड़ रुपए)

	1992-93	1993-94	1994-95
अन्वेक्षण सर्वेक्षण	39.96	41.70	42.07
वेधन	246,02	136.73	183.17
कुल:	285.98	178.43	225.24

(घ) गुजरात राज्य में अब तक किए गए अन्वेषण कार्य के परिणामस्वरूप 78 क्षेत्र संरचनाएं हाइड्रोकार्बन युक्त सिद्ध हुई है तथा 1.4.95 की स्थिति के अनुसार 1108.94 मि०मी०टन तेल एवं गैस के समतुल्य तेल (ओ०+ओ०ई०जी०) का आरंभिक स्थलगत भंडार स्थापित हुआ।